जयपुर • कोटा • बीकानेर • उदयपुर • अजमेर • जालोर • हिण्डौनसिटी • चूरू

राष्ट्रदूत

epaper.rashtradoot.com

अजमेर

Rashtradoot

फोनः- 2627612, 2427249 फैक्सः- 0145-2624665 वर्षः 27 संख्याः 99 प्रभात अजमेर, मंगलवार 8 नवम्बर, 2022 आर.जे./ए.जे./73/2015-2017 पृष्ठ 6 मूल्य 2.50 रु.

वर्ष 1937 में स्पैनिश सिविल वॉर के दौरान नाज़ी जर्मनी और फासिस्ट इटली ने उत्तरी स्पेन के बास्क क्षेत्र के एक कस्बे, गिर्निका पर बमबारी की थी। इन दोनों देशों ने यह हमला राष्ट्रवादी गुट के नेता फ्रांसिस्को फ्रैंको के राष्ट्रवादी घटक के कहने पर किया था। इस हवाई हमले में सैकड़ों नागरिक मारे गए थे, हालांकि मरने वालों की संख्या पर अभी भी भारी विवाद है। इस घटना से विख्यात चित्रकार पाब्लो पिकासो इतने दुखी हुए कि उन्होंने एक विशाल ऑयल पेंटिंग बनाई, जिसका शीर्षक शहर के नाम पर गिर्निका रखा। लगभग 100 वर्ष बाद युद्ध की त्रासदी ने एक और कलाकार को नए सृजन की प्रेरणा दी। सैन डिएगो के एक चित्रकार, दस वर्ष के आंद्रे वैलैन्शिया ने इस वर्ष के आरंभ में एक एब्स्ट्रैक्ट चित्र बनाया और उसे नाम दिया, "इन्वेज़न ऑफ यूक्रेन।" ऊपर दिए चित्र में आंद्रे के बाईं तरफ नज़र आ रही इस पेंटिंग के बांए कोने में यूक्रेन के झंडे पर एक रोती हुई आंख बनी है, बीच में रुसी झंडे के साथ एक मशीनगन धारी सैनिक है। पांचवीं कक्षा में पढ़ने वाले इस बच्चे की मां, एल्सा वैलेन्शिया ने बताया, "आंद्रे अपने कमरे में था और मैं टीवी पर यूक्रेन पर हमले की खबरें देख रही थी। थोड़ी देर बाद मैं उसके कमरे में गई तो मैंने देखा उसने 12 इंच बाय 9 इंच के कैनवास पर एक स्कैच बनाया है और उसमें मार्कर से रंग भर रहा है। मैंने उससे पूछा, यह क्या है, तो वो बोला "यूक्रेन पर हमला", मैं स्तब्ध रह गई।" इस माह के आरंभ में इस चित्र की प्रतियां आर्टिस्ट की वैबसाइट पर सेल के लिए जारी की गईं और इसकी सारी आय यूक्रेन के युवा वर्ग की सहायता कर रहे एक संगठन, क्लिचको फाउण्डेशन को दी गई है। पेंटिंग की ब्रिकी से एक लाख डॉलर की आय हुई है। लेकिन आंद्रे के लिए यह कोई नई बात नहीं है। गत वर्ष दिसम्बर में "आर्ट मायामी" में सबसे कम उम्र के कलाकार के रुप में भाग लेकर उसने इतिहास रच दिया था। इसमें उसने तीन दिन में 12 पेंटिंग्स बेची थीं, जिनकी कीमत 5,000 डॉलर से 20,000 डॉलर तक थी। उसके खरीददारों में हॉलिवुड एक्ट्रैस ब्रूक शील्ड्स, सोफिया वेगारा, चैनिंग टेटम, जॉर्डन बैलफोर्ट जैसी नामी हस्तियां हैं। आँद्रे का कहना है कि, उसकी कृतियाँ विख्यात कलाकारों, पिकासो, जाँ मिशैल बास्कियां, सैल्वाडोर दली और अमीदेओ मोदीलिआनी से प्रभावित हैं।

यूक्रेन व रूस के बीच मध्यस्थता कराकर भारत सिक्युरिटी काउंसिल की सदस्यता प्राप्त कर लेगा?

रूस व यूक्रेन, दोनों देश भारत की विश्वसनीयता को बहुत ऊंचा आंकते हैं, अतः, न्यूयॉर्क के थिंक टैंकों के अनुसार, भारत मध्यस्थ का रोल बखूबी निभा सकता है

-सुकुमार साह-
-राष्ट्रदूत दिल्ली ब्यूरो-

नई दिल्ली, 7 नवम्बर। भारत ने संयुक्त राष्ट्र सुरक्षा परिषद की प्रतिष्ठित स्थायी सीट पर अपनी नज़रे जमा ली हैं क्योंकि वह रूस और यूक्रेन के बीच शांति समझौता कराने की दिशा में चतुराई से आगे बढ़ रहा है। लगता है कि शांति स्थापना कराने वाला एक प्रमुख खिलाड़ी बनने और दुनिया का सबसे बड़ा संकट हल करने का उत्साह प्रधानमंत्री मोदी की इतिहास में भारत के सबसे महान नेताओं में से एक के रूप में याद किए जाने की महत्वाकांक्षा से प्रेरित हैं।

विदेश मंत्री एस. जयशंकर ने आज अपना मॉस्को दौरा शुरू किया। उनकी यात्रा और रूस तथा यूक्रेन के बीच शांति स्थापना पर जोर देने वाली भारत की संभावित भूमिका पर विदेश नीति के थिंक टैंक्स और कूटनीतिज्ञों द्वारा नज़दीकी से नज़र रखी जा रही है।

न्यूयॉर्क टाइम्स (एन.वॉय.टी.) के अनुसार भारत सरकार के अधिकारी यह पहले ही चर्चा करते रहे हैं कि जब भी उचित समय होगा, भारत शांति स्थापना के प्रयासों के लिए कौनसी भूमिका निभाएगा।

- **न्यूयॉर्क टाइम्स के अनुसार, भारत के विदेश मंत्रालय के उच्च स्तर के अफसरों में भारी चर्चा व मंथन, इस बात पर शुरु हो चुका है कि, भारत कैसे दोनों देशों, रूस व यूक्रेन के बीच शान्ति स्थापित करने में प्रभावी भूमिका निभा सकता है।**
- **विदेश मंत्री जयशंकर की रूस यात्रा व राष्ट्रपति पुतिन से प्रस्तावित मुलाकात को इसी दिशा में कठोर कदम माना जा रहा है।**
- **भारत में अमेरिका के पूर्व राजदूत, कैनथ जैस्टर ने भी इस संदर्भ में कहा कि, भारत के राजनयिक व कुटनीतिज्ञ, बहुत होशियार हैं और अगर वे यूक्रेन व रूस के बीच शान्ति स्थापित करने में भूमिका निभाने को तैयार हो जायें तो, यह बहुत सुखद समाचार होगा।**
- **प्र.मंत्री की भी महत्वाकांक्षा है कि, भारत शान्ति स्थापित करने के इस प्रयास में सफल हो, जिससे वे भारत के सबसे सफल प्र.मंत्री होने का सफल दावा कर सकें।**

इस प्रकरण से संबंधित मुख्य मुद्दा रूस और यूक्रेन का बातचीत के प्रति अनिच्छुक होना है। यूक्रेन जहां यह महसूस कर रहा है कि उसे युद्ध भूमि में बढ़त प्राप्त है, वहीं रूस बातचीत के मूड़ में नहीं लगता है। तथापि विशेषज्ञों का मानना है कि युद्ध के कारण ऊर्जा की बढ़ती कीमतों ने यूक्रेन में वास्तव में जीवन दयनीय बना दिया है, अतः कोई समझौता या युद्ध विराम हो सकता है।

जयशंकर दोनों पक्षों के बीच जारी उच्च स्तरीय वार्ता की कड़ी में रूस के विदेश मंत्री सर्गेई लावरोव के साथ बातचीत करेंगे। उम्मीद है कि दोनों पक्षों की बातचीत में द्विपक्षीय मुद्दों की पूरी श्रृंखला को कवर किया जाएगा और विभिन्न क्षेत्रीय व अन्तर्राष्ट्रीय घटनाक्रमों पर विचारों का आदान-प्रदान होगा।

जयशंकर का रशियन फैडरेशन के उप प्रधानमंत्री एवं व्यापार तथा उद्योग मंत्री देनिस मैन्तुरोव और इण्डिया रशिया इन्टर गवर्नमैन्टल कमीशन ऑन ट्रेड, इकोनॉमिक, साईन्टिफिक, टैक्नोलॉजिकल एण्ड कल्चरल को-ऑपरेशन (आई.आर.आई.जी. सी.-टी.ई.सी.) के अपने समकक्ष से भी मिलने का कार्यक्रम है। विदेश मंत्रालय

(शेष अंतिम पृष्ठ पर)

तेलंगाना के उपचुनाव में भाजपा हारी

पर, मनोबल के लिये यह हार, जीत के बराबर ही थी

-लक्ष्मण वेंकट कुची-
-राष्ट्रदूत दिल्ली ब्यूरो-

नई दिल्ली, 7 नवम्बर। तेलंगाना की मुनुगोडे विधानसभा सीट के लिये हुये उपचुनाव जिसे 2023 के विधानसभा चुनावों से पहले का सेमी-फाइनल माना जा रहा है, के नतीजे बता रहे हैं कि इससे पहले कांग्रेस के पास रही इस सीट को जीतने में सत्तारूढ़ तेलंगाना राष्ट्र समिति को पसीने आ गये हैं। जबरदस्त रुप से उभरकर आई भाजपा से मिली कड़ी चुनौती ने दोनों ही प्रतिद्वंदियों- टी.आर.एस. एवं कांग्रेस के लिये एक सबक प्रस्तुत किया है।

सत्तारूढ़ टी.आर.एस. को मामूली से अंतर से मिली जीत उसके लिये चिन्ता का सबब तथा जबरदस्त सत्ता-विरोधी लहर का संकेत दे रही है। टी.आर.एस. को कांग्रेस का आभारी होना चाहिये कि उसने भाजपा के वोट काटे तथा उसका खेल बिगाड़ दिया। कांग्रेस ने 20,000 वोट पाकर अपनी जमानत जब्त करा ली तथा इस उपचुनाव में 10,000 वोटों से भाजपा की हार सुनिश्चित कर दी।

- **भाजपा का उम्मीदवार 10 हजार वोटों से हारा, पर, जीत का कारण था, कांग्रेस उम्मीदवार द्वारा बीस हजार एन्टी इन्कमबैंसी वोट खींच लेना।**
- **यह नतीजा टी.आर.एस. के लिये जीत के बावजूद खतरे की घंटी है, आगामी 2024 के आम चुनाव की दृष्टि से।**
- **कांग्रेस के लिये भी इस हार में एक सुख की किरण है कि, कांग्रेस छोड़कर भाजपा से जुड़ने वाले प्रत्याशी को हरवा तो दिया ही।**

जहाँ तक भाजपा का प्रश्न है, वह काँटे के संघर्ष वाले तथा देश के अब तक के सबसे मँहगे चुनाव में रनर अप रही है और साथ ही वह ऐसी धारणा भी निर्मित करती दिखाई दे रही है कि वे एक ऐसी प्रबल राजनैतिक ताकत के रूप में सामने आ सकती है, जो एक परिवार द्वारा चलाई जा रही राज्य सरकार को उखाड़ फेंकने की ताकत रखती है। इसके अलावा, मामूली अंतर से हुई उसकी यह हार अगले वर्ष होने वाले विधानसभा चुनावों में उसके लिये एक चुनावी आधार प्रस्तुत कर रही है।

लेकिन उपचुनावों में एक यह

(शेष अंतिम पृष्ठ पर)

50 पाक विस्थापित जोधपुर पहुंचे

जोधपुर, 7 नवम्बर (कासं)। पाक विस्थापितों के पचास लोगों का एक जत्था जोधपुर पहुंचा, लेकिन ये लोग जोधपुर रेलवे स्टेशन पर सुरक्षा एजेंसियों की नजर में आ गए। पूछताछ में सामने आया कि धार्मिक वीजा लेकर हरिद्वार जाने के नाम पर ये लोग भारत पहुंचे, लेकिन वहां जाने के बजाय ट्रेन में बैठ सीधे जोधपुर आ गए। इन लोगो

- **धार्मिक वीज़ा लेकर हरिद्वार के नाम पर भारत आए ये लोग रेल्वे स्टेशन पर सुरक्षा एजेंसियों की नजर में आए और इनसे पूछताछ की गई है।**

को अपने रिश्तेदारों के यहां रहने को रवाना कर दिया गया है, लेकिन साथ ही पाबंद किया गया है कि वे अपनी आमद को दर्शा दे। डेढ़ माह पूर्व भी कुछ पाक विस्थापित जोधपुर पहुंचे थे।

सूत्रों के अनुसार पाकिस्तान से

(शेष अंतिम पृष्ठ पर)

सुप्रीम कोर्ट के निर्णय से आरक्षण आंदोलन पुनः तेज होगा

आर्थिक दृष्टि से कमज़ोर वर्ग को शिक्षा व रोजगार में 10 प्रतिशत आरक्षण देने के निर्णय से आरक्षण की 50 प्रतिशत सीमा अब टूटी है

-श्रीनन्द झा-
-राष्ट्रदूत दिल्ली ब्यूरो-

नई दिल्ली, 7 नवम्बर। सर्वोच्च न्यायालय ने इकॉनोमिकली वीकर सेक्शंस (इ.डब्ल्यु.एस.) को 10 प्रतिशत आरक्षण दिये जाने के प्रस्ताव पर अपने अनुमोदन की मुहर लगा दी है। इसके अलावा शीर्ष अदालत ने नौकरियों में आरक्षण की पूर्ववर्ती 50 प्रतिशत की सीमा भी समाप्त कर दी है। इस प्रकार कोटा-राजनीति को लेकर विवादों का पिटारा खुल गया है।

मुख्य न्यायाधीश यू.यू. ललित की अध्यक्षता वाली पाँच जजों की संविधान पीठ ने आज 3:2 के बहुमत दिये गये अपने फैसले द्वारा, 10 प्रतिशत ई.डब्ल्यु.एस. कोटा के लिये लिये गये 103वें संविधान की पुष्टि कर दी। जजों ने यह कह दिया कि ई.डब्ल्यु.एस. के आरक्षण द्वारा 50 प्रतिशत आरक्षण सीमा के अतिक्रमण से संविधान के मूलभूत ढ़ाँचे का उल्लंघन नहीं होगा, "क्योंकि (आरक्षण की) ऊपरी सीमा अपरिवर्तनीय नहीं है।" लेकिन अपने असहमतिपूर्ण निर्णयों में, मुख्य न्यायाधीश ललित तथा न्यायमूर्ति एस. रविन्द्र भाट ने कहा कि एस.सी./एस.टी. तथा ओ.बी.सी. समुदायों के गरीबों को ई.डब्ल्यु.एस. कोटा से बाहर रखना

- **कप्पू, जाट, मराठा व पाटीदारों की आरक्षण के लिये जो मांग अभी तक यह कह कर नकार दी गई थी कि, आरक्षण 50 प्रतिशत से अधिक नहीं हो सकता। अतः इन समुदायों की आरक्षण की मांग अब पुनः पुरज़ोर ढंग से उठेगी।**
- **अंग्रेजों के शासनकाल में भी अनुसूचित जाति व जनजाति को, उनकी जनसंख्या के अनुरूप आरक्षण मिलता था। पर, मण्डल आयोग के पश्चात् 27 प्रतिशत आरक्षण ओ.बी.सी. क्लास को देना तय हुआ था।**

(शेष अंतिम पृष्ठ पर)

जालोर में आमुर फैल्कन

जालोर, 7 नवम्बर (कासं)। जालोर शहर के सुन्देलाव तालाब पर सोमवार को एक विशेष प्रवासी पक्षी अमूर फैल्कन देखा गया। जालोर जिले में अमूर फैल्कन दिखने का यह पहला मौका है। ये पक्षी अपनी 11,000 किमी की यात्रा में केवल कुछ दिन ही भारत में बिताते हैं।

पक्षी अध्येता यशवंत गहलोत ने बताया कि "भारत में पक्षियों की लगभग 1350 प्रजातियां पाई जाती हैं। जालोर जिले में 207 प्रजातियां रिकॉर्ड की गई हैं। इन प्रजातियों का विवरण ई बर्ड पर देखा जा सकता है। अमूर फैल्कन छोटे आकार के शिकारी पक्षी हैं जो साइबेरिया, चीन और उत्तर कोरिया में अपनी गर्मियां बिताते हैं और शीतकालीन प्रवास के लिए भारत और

- **जालोर शहर के सुन्देलाव तालाब पर प्रवासी आमुर फैल्कन देखा गया। जालोर में पहली बार यह पक्षी दिखा है।**

श्रीलंका के रास्ते दक्षिण-पूर्वी अफ्रीका जाते हैं। इस तरह ये कुछ ही दिन भारतीय मैदानों में बिताते हैं।"

बेंगलुरु में नाबार्ड अधिकारी यशवंत गहलोत और एनसीटीई सदस्य संदीप जोशी ने अमूर फैल्कन की तस्वीरें ली। इस टीम ने सुन्देलाव तालाब के आस-पास देशी-विदेशी पक्षियों की पचास से अधिक प्रजातियां रिकॉर्ड की, जिनमें नॉर्दन शॉवलर, ब्लूथ्रॉट, रफ, कॉमन सैंडपाइपर, वुड सैंडपाइपर, लिटल रिंगप्लोवर, कॉमन मूरहेन, लेसर ग्रेब, कॉमन पोचर्ड प्रमुख हैं। यशवंत पिछले आठ वर्षों से पक्षियों का शौकिया अध्ययन कर रहे हैं।

जालोर का सुन्देलाव तालाब इन दिनों विभिन्न प्रकार के प्रवासी पक्षियों की अठखेलियों से गुलजार हो रहा है। सर्दी का मौसम प्रारंभ होते ही दुनिया के

(शेष अंतिम पृष्ठ पर)

अखिलेश यादव धौलपुर आए

धौलपुर 7 नवम्बर (निस)। राष्ट्रीय मिलिट्री स्कूल धौलपुर में सोमवार को डायमंड जुबली सेलिब्रेशन समारोह का आयोजन किया गया। समारोह में चार चाँद लगाने के लिए पूर्व छात्र भी आए।

समारोह के चीफ गेस्ट उत्तर प्रदेश के पूर्व मुख्यमंत्री अखिलेश यादव रहें, जो राष्ट्रीय मिलिट्री स्कूल धौलपुर के पूर्व

- **अखिलेश धौलपुर मिलिटरी स्कूल के पूर्व छात्र हैं और अपने स्कूल के डायमंड जुबली कार्यक्रम में बतौर चीफ गैस्ट आए थे।**

छात्र हैं। समारोह की शुरुआत सुबह दिन चढ़ते ही हो गई। सर्वप्रथम विद्यालय के पूर्व छात्रों ने राष्ट्रीय मिलिट्री स्कूल धौलपुर के प्रथम प्रिंसिपल की आवक्ष प्रतिमा का अनावरण किया।

वर्तमान छात्रों ने विज्ञान, कला, डिजाइन और प्रौद्योगिकी आदि विषयों पर प्रदर्शनी लगाई। उद्घाटन विद्यालय

(शेष अंतिम पृष्ठ पर)

हमलावर की गोली से घायल इमरान की चुनाव कराने की मांग को व्यापक समर्थन मिल रहा है

इस समर्थन का प्रमाण है, पाकिस्तान की संसद के लिये हुए नौ उपचुनावों में आठ सीटों पर इमरान की पार्टी की विजय

-अंजन रॉय-
-राष्ट्रदूत दिल्ली ब्यूरो-

नई दिल्ली, 7 नवम्बर। पाकिस्तान के पूर्व प्रधानमंत्री इमरान खान ने, उन पर हुये जान लेवा हमले के बावजूद, शीघ्र ही आम चुनाव कराये जाने की माँग पर जोर देते रहने का वादा किया था ज्ञातव्य है कि इमरान खान उस समय सत्ता से अपदस्थ हो गये थे, जब देश की संसद में अविश्वास प्रस्ताव के समय उनके प्रमुख गठबंधन पार्टनरों ने उनसे समर्थन वापस ले लिया था।

अभी पिछले सप्ताह ही, उन पर जान लेवा हमला करते हुये उन पर गोली चलाई गई थी लेकिन भाग्य से, वे गोलियाँ उनके पैरों में लगीं। इस घटना के बाद पाकिस्तान की जनता तथा खासतौर से देश के युवा वर्ग में उनका समर्थन और बढ़ गया।

इमरान पर आया यह संकट कारगर रहा है, जैसा कि तथ्य से प्रकट हो रहा है कि देश की संसद की नौ सीटों के लिये हाल ही में हुये चुनावों में, इमरान खान ने आठ सीटें जीत ली हैं।

- **इमरान के अभियान के दो मुद्दे भी पाकिस्तान में जन समर्थन पा रहे हैं।**
- **पहला मुद्दा है, अमेरिका उनके (इमरान के) पूर्णतया खिलाफ है, और इसी कारण पाकिस्तान की दोनों बड़ी पार्टियाँ, पीपुल्स पार्टी ऑफ पाकिस्तान व मुस्लिम लीग, भी इमरान के खिलाफ हैं।**
- **इमरान के अभियान का दूसरा मुद्दा है कि, भारत की भांति, पाकिस्तान भी, एक स्वतंत्र विदेश नीति बनाये और उसका अनुसरण करे।**
- **इन दोनों मुद्दों के समर्थन में इमरान का कहना है, वे शुरु से कह रहे थे कि, अफगानिस्तान का युद्ध, किसी और देश (अमेरिका का) युद्ध है, पाकिस्तान इस युद्ध में क्यों भागीदार बन रहा है। इसी विचार के कारण इमरान ने प्र.मंत्री बनने के बाद अमेरिका के लड़ाकू विमानों को अफगानिस्तान जाते समय पाकिस्तान में रुकने व पैट्रोल लेने की सुविधा समाप्त कर दी थी, जो एक कारण बनी थी, अमेरिका के अफगानिस्तान से शर्मनाक तरीके से निकल जाने के लिये।**
- **पाकिस्तानी जो विदेशों में रह रहे हैं, भी इमरान की स्वतंत्र विदेश नीति के नारे को बहुत पसंद करते हैं, जिसका प्रमाण था, इन पाकिस्तानियों द्वारा इमरान के शासनकाल में भारी मात्रा में विदेशों से धन कमा कर, पाकिस्तान भेजना।**

ने आठ सीटें जीत ली हैं।

और भी संकटपूर्ण बात यह थी कि इमरान की पार्टी पी.टी.आई. अकेली ही 13 पार्टियों के गठबंधन के खिलाफ लड़ी थी। इन 13 राजनैतिक दलों में दो प्रभावशाली दल भी शामिल थे। इससे यह आशा बँधती है कि अगर संसद के आम चुनाव होते हैं तो इमरान खान इकतरफा जीत हासिल करते हुये, बड़े बहुमत के साथ फिर से सत्ता में आ सकते हैं।

उन्होंने कहा कि वे शीघ्र ही लाहौर तथा देश के अन्य स्थानों से इस्लामाबाद तक की विरोध-मार्च फिर से शुरु करेंगे। वे गोली लगने के बाद अस्पताल में भर्ती हो गये थे तथा अब वहाँ से घर वापस आ गये हैं। उपलब्ध जानकारियों के अनुसार, उनकी पाकिस्तान तहरीके-इस्लाम (पी.टी.आई.) ने ताजा विरोध-मोर्चों की तैयारियाँ फिर से शुरु

(शेष अंतिम पृष्ठ पर)